रजत जयंती की ओर अग्रसर देश की पहली सहकारी साख संस्था

सुधेश जैन, इन्दौर। संपूर्ण भारत में गोलालारीय समाज की प्रथम सहकारी साख संस्था ''पार्श्वनाथ सहकारी साख संस्था'' का गठन 23 मार्च 1993 को समाज सदस्यों के सहयोग से किया गया था। संस्थापक अध्यक्ष श्री राजेन्द्र कुमार जैन साइकिल वालों के प्रयासों एवं श्री रमेशचंद्र जी जैन क्लर्क कॉलोनी के मार्गदर्शन में गोलालारीय समाज की पहली साख संस्था 25 वर्ष पूर्व प्रारंभ हुई थी।

संस्था की 24 वीं साधारण सभा 24 सितम्बर को समाज न्यास भवन पर आयोजित की गई जिसमें पूर्व अध्यक्ष विजय कुमार जैन ''बियाबानी'', वर्तमान अध्यक्ष श्री सुधेश जैन, उपाध्यक्ष श्री अरूण जैन व संगीता सुनील जैन व संचालकगण श्रीमति कल्पना जैन, श्री आलोक जैन, शैलेष जैन व संस्था सदस्यों की उपस्थिति में गतवर्ष के आर्थिक प्रतिवेदनों पर चर्चा हुई। सदस्यों को दिए जाने वाले ऋण की राशी व नियमों पर चर्चा हुई। सदस्यों की कार्यक्रमों की सूचना समय पर हो सके। ऐसी व्यवस्था बनाने पर जोर दिया गया। संस्था अपने सदस्यों को परिवार कल्याण योजना का लाभ नियमित रूप से प्रदान कर रही है। जिसमें सदस्य की मृत्यु होने पर एक निश्चित धनराशी संस्था द्वारा प्रदान की जाती है। इसके लिए सदस्य को अपने खाते को नियमित रखना अति आवश्यक होता है। संस्था सदस्यों को प्रतिवर्ष लाभांश का वितरण किया जाता है। जमाराशि पर प्रदत्त ब्याज को वर्षांत पर बचत खाते में जमा कर दिया जाता है जिससे सदस्यों की राशि प्रतिवर्ष बढ़ती जा रही है।

संस्था का रजत जयंती समारोह जनवरी 2018 में भव्य रूप से मनाने का निर्णय लिया गया है जिसमें संस्था के सभी सदस्यों आमंत्रित कर उपहार वितरित करने की योजना प्रस्तावित है।

सभा का संचालन पूर्व अध्यक्ष विजयकुमार जैन ने किया। अध्यक्ष श्री सुधेश जैन ने सदस्यों का आभार प्रकट करते हुए सदस्यों को स्वल्पाहार के लिए आमंत्रित किया।

इन्दौर गोलालारीय समाज की वार्षिक साधारण सभा संपन्न

कोमलचंद जैन, इन्दौर। समाज न्यास की 16वीं वार्षिक साधारण 20 अगस्त को साआनंद संपन्न हुई जिसमें वर्ष 2015-16 की साधारण सभा की कार्यवाही की पुष्टि तत्पश्चात 2016-17 के वित्तीय पत्रकों को स्वीकृति प्रदान की गई। सचिव श्री बाहुबलीजी ने उपस्थित सदस्यों को बताया कि प्रस्तावित निर्माणाधीन मंदिरजी की पुरानी जगह को बदलकर कुम्हेड़ी में ही मेन रोड़ पर एक प्लाट ले लिया है, यह भूमि मेन रोड़ पर होने के कारण समाज कार्यकारिणी का इस भूमि पर मंदिर निर्माण करने की विशेष रुचि है। जिस पर जल्द ही नवीन मंदिरजी का निर्माण होना है। आगामी स्नेह सम्मेलन जो कि जनवरी 2018 में करना प्रस्तावित है और उसी समय नवीन भूमि पर भूमि पूजन व अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने का विचार समाज की साधारण सभा में लिया गया जिसे उपस्थित सदस्यों ने अपनी सहर्ष स्वीकृति प्रदान की। समाज की पारिवारिक निर्देशिका 'प्रयास' व ई-डायरेक्ट्री जल्दी ही सदस्यों को उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। समाज सदस्यों से आग्रह है कि वे समाज का वार्षिक लागा नियमित रखे ताकि समाज विकास के कार्य सुचारु रुप से संचालित किये जा सके। अंत में उपाध्यक्ष श्री अशोक कुमारजी ने आभार माना और सभा समाप्ति पश्चात स्वल्पाहार के लिए आमंत्रित किया।

इन्दौर नगर की पारिवारिक निर्देशिका 'प्रयास' का अंतिम प्रूफ दिसम्बर माह में आपको प्रेषित किया जावेगा। मालवा एवं निमाड़ क्षेत्र में निवास कर रहे गोलालारीय परिवारों से अंतिम अनुरोध है कि वे अपनी पारिवारिक जानकारी न्यास के पते 64, न्यू देवास रोड़ पर 30 नवम्बर 2017 तक भेजने का कष्ट ताकि पारिवारिक जानकारी को प्रकाशित किया जा सके।

बच्चों में स्वर्णप्राशन का स्वास्थ्य संबंधी लाभ एवं महत्व

आधुनिक चिकित्सा प्रणाली में जिस प्रकार बच्चों को रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए और बच्चों को सामान्य बीमारियों से बचाने के लिए टीकाकरण (vaccination) का इस्तेमाल किया जाता है उसी प्रकार आयुर्वेद के काल से बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए सुवर्णप्राशन संस्कार या विधि की जाती है। यह एक प्रकार का आयुर्वेदिक प्रतिरक्षा (Immunization) की प्रक्रिया है।

सुवर्णप्राशन : सुवर्णप्राशन के अंदर सुवर्ण भस्म, वच, ब्राह्मी, शंखपुष्पी, आमला, मुलेठी, गिलोय, बहेड़ा, शहद और गाय के घी जैसी आयुर्वेदिक औषधियों का इस्तेमाल होता है। बच्चों के पूर्ण शारीरिक व मानसिक विकास में सहायक होता है। रोग प्रतिरोधक क्षमता की वृद्धि में सहायक होता है। पाचन क्रिया की शक्ति में सहाबक होता है। प्रदूषण जनित एलर्जिक व्याधियों से बचाव में सहायक। बच्चों के दांत आने के दौरान होने वाले बुखार दस्त में फायदेमंद। स्वर्णप्राशन प्रत्येक माह के पुष्य नक्षत्र दिवस पर निर्धारित समय पर दिया जाता है आगामी दो माह की तिथियाँ निम्न है -

*** 9 नवम्बर गुरूवार रात्रि 1.38 बजे से 10 नवम्बर शुक्रवार रात्रि 12.22 बजे तक * 6 दिसम्बर बुधवार रात्रि 10.01 बजे से 7 दिसम्बर गुरूवार रात्रि 7.56 बजे तक।** हर माह पुष्य नक्षत्र के दिन श्री विद्यासागर वेलनेस सेंटर (महावीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल सांइस एंड रिसर्च आरजीपीवी के पीछे, नई जेल रोड़ के पास, बडबई) भोपाल में डॉ. रेखा जैन, सेवानिवृत्त डी.एस.पी. के संयोजन में डॉ.नीलम जैन (एम.डी. पीडियाट्रिक्स), मृत्युंजय माली (एम.डी.आयुर्वेद) एवं अमित गुप्ता (एम.डी. आयुर्वेद) के द्वारा जनरल हेल्थ चेकअप करने के बाद बच्चों को सुवर्णप्राशन बिंदु दिया जायेगा। सुविधा का लाभ लेने के लिए व मिलने का समय पहले ही निश्चित करने के लिए संपर्क करें। **संपर्क सूत्र - 9109114096, 9109114100, 9109114093, 9109114060**

गंजबासौदा में दशलक्षण पर्व साआनंद संपन्न -

शांतिकुमार जैन, गंजबासौदा। दशलक्षण पर्व पर्यूषण पर्व के समापन पर क्षमावाणी का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। घूसरपुरा पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिरजी से श्रीजी का विमान चल समारोह नगर के मुख्य मार्गों से होता हुआ महावीर विहार में समाप्त हुआ। जिसमें सकल जैन समाज सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिकों एवं जन प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। चल समारोह में श्रद्धालुजन विमानजी को शुद्ध वस्त्र धारण किये धोती दुपट्टे में अपने कंधो में लेकर चल रहे थे। वहीं विभिन्न मंदिरों की पाठशालाओं की बहनों द्वारा आकर्षक झांकियां संजाई गई थी जबकि वीर सेवा दल और श्री विद्यासागर सेवादल के कार्यकर्ताओं द्वारा दिव्य घोष करते हुए चल रहे थे। चल समारोह में बड़ी संख्या में महिलाये और पुरुष वर्ग शामिल थे।

चल समारोह का अनेक स्थानों पर नागरिकों, संगठनों, संस्थाओं और जन प्रतिनिधियों ने स्वागत किया। महावीर विहार में चल समारोह के बाद शांतिधारा व किरण दीदी के प्रवचन हुये तत्पश्चात क्षमावाणी का कार्यक्रम किया गया, जिसमें सभी ने एक दूसरे से क्षमा याचना की और फिर पात्र भावना (सहभोज) किया गया। इसके पूर्व पर्यूषण पर्व तपसाधना की भावना के साथ सानंद संपन्न हुये। प्रत्येक मंदिरजी में प्रवचनार्थ विद्वानों को नगर के बाहर से आमंत्रित किया गया था। पार्श्वनाथ दि. जैन मंदिर स्टेशन मंडी में बाल ब्रह्मचारिणी किरण दीदी के सानिध्य में प्रात: अभिषेक, शांतिधारा एवं सामूहिक पूजन का कार्यक्रम संगीतमय संपन्न हुआ। शाम को संगीतमय सामूहिक आरती व किरण दीदी के दशलक्षण पर्व पर सारगर्भित प्रवचन होते थे व रात्रि में सांस्कृतिक कार्यक्रम संपन्न हुए।

भारतीय जैन मिलन शाखा गंज बासौदा द्वारा ''अंधेरे में ढूढ़ों'' प्रतियोगिता रखी गयी थी जिसमें बड़ी संख्या में जैन परिवारो ने कार्यक्रम में भागीदारी की व 27 अगस्त को मंदिर समिति द्वारा म्यूजिकल अंताक्षरी का आयोजन किया गया। 28 अगस्त को महिला भक्ति मंडल के सानिध्य में भजन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 29 अगस्त को वीर सागर पाठशाला के बच्चों द्वारा नाट्य मंच व 30 अगस्त को आचार्यश्री विद्यासागरजी मुनिराज पर केन्द्रित संस्मरण प्रतियोगिता आयोजित की गई

दिनांक 2 सितम्बर को भारतीय जैन मिलन के बैनर तले एक मैजिक शो का कार्यक्रम स्व. श्री नंदनलालजी दिवाकीर्ति की स्मृति में उनके सुपुत्र डॉ. अनिल दिवाकीर्ति द्वारा आयोजित किया गया। जिसमें जयपुर से पधारे कलाकारों द्वारा जादू दिखाया व सिखाया गया। दिनांक 3 सितम्बर को श्री दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप गंजबासौदा के बैनर तले शांतिकुमार जैन के प्रयासों से योगीराजजी की मुंबई द्वारा बनाई गई फिल्म ''अब तो संभल जा'' दिखाई गयी, जिसे सभी ने सराहा।

पेज 1 का शेष.....देशना में उपस्थित जन समूह को भव्य संबोधन दिया। मुनि श्री प्रणीत सागर जी ने क्षमा धर्म के विपरीत क्रोध को परिभाषित करते हुये क्रोध की तुलना अंग्रेजी शब्द 'क्रो' अर्थात कौआ से की जो सबका भक्षण कर लेता है इसी प्रकार क्रोध मनुष्य के समस्त सद्गुणों का भक्षण (नष्ट) कर देता है। क्रोधी को दुर्गति से कोई नहीं बचा सकता, अत: कर्म बंध से बचें और क्षमाधर्म धारण करें। इसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुये मुनि श्री 108 आस्तिक्य सागर जी ने मुनिवों को क्षमा की मूर्ति बताया उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि अपने भावों को निर्मल करें और अपनें शत्रुओं से क्षमा माँगे जिससे अंतरंग में विशुद्धि आयेगी। भावों का घात करना भी हिंसा है। अत: भावों में निर्मलता लाने के लिये जीवमात्र से क्षमा माँगें। मुनि श्री ने अपने उद्बोधन में गोलालारीय समाज द्वारा किये समाजोपयोगी कार्यों की सराहना की। मुनिद्वय ने समाज के मुखपत्र गोलालारीय दर्शन के प्रतिभाशाली विशेषांक में प्रकाशित विद्यार्थियों के विवरण एवं चित्रों की प्रशंसा की एवं **'प्रयास, रिश्तों को जोड़ने का...'** का पत्रिका के विमोचन की भी सराहना की जो कि समाज के युवक युवतियों के संबंधों को जोड़ने में महती भूमिका निभा रही है। जिस प्रकार यह पत्रिका रिश्तों को जोड़ने का प्रयास कर रही है उसी तरह समाज नेतृत्व का दायित्व है कि वे समाज के प्रत्येक वर्ग को जोड़कर उनके विकास हेतु तत्पर रहे। मुनिश्री ने गोलालारीय समाज से अपने जन्म संबंध को याद करते हुए कहा कि ''घर का बेटा घर का ही होता है''। आज मुझे इस बात की खुशी है कि मेरे पूज्य गुरुवर ने मुझे अपने गृहस्थ जीवन के समाजजनों को संबोधित करने का अवसर प्रदान किया है। इस अवसर पर कक्षा 1 से 12वीं तक के मेधावी विद्यार्थियों व पर्यूषण पर्व में तपसाधना करने वाले साधकों का सम्मान किया गया। उन्होंने समाज की प्रगति को देखते हुए समाज जनों व समाज पदाधिकारियों के कार्य की सराहना की तत्पश्चात् क्षमावाणी कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन सुधेश जैन ने किया व आभार अध्यक्ष कोमलचंदजी जैन ने किया।